CBSE Test Paper 04

अपठित गद्यांश

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

   जब सरकार पुरानी मुद्रा को कानूनी तौर पर बंद कर देती है और नई मुद्रा लाने की घोषणा करती है तो इसे विमुद्रीकरण कहते हैं। इसके बाद पुरानी मुद्रा अथवा नोटों की कोई कीमत नहीं रह जाती। हालाँकि सरकार द्वारा पुराने नोटों को बैंकों से बदलने के लिए लोगों को समय दिया जाता है, ताकि वे अमान्य हो चुके अपने पुराने नोटों को बदल सकें।

   8 नवंबर, 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में 1000 और 500 रुपए के नोट बंद करने की घोषणा की अर्थात् विमुद्रीकरण की घोषणा की। आरबीआई गवर्नर उर्जित पटेल ने भी सरकार की इस घोषणा का समर्थन किया। इसके बाद सरकार 500 और 2000 रुपए के नए नोट भी बाजार में लेकर आई।

   कालाधन, भ्रष्टाचार, नकली नोट और आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार विमुद्रीकरण का फैसला लेती है। अवैध गतिविधियों में संलग्न लोग नोटों को अपने पास ही रखते हैं। ऐसे में विमुद्रीकरण से सीधे उन पर चोट होती है। कई बार नगद लेन-देन को हतोत्साहित करने के लिए भी नोटबंदी की जाती है। केंद्र की मोदी सरकार को भी उम्मीद है कि नोटबंदी में कालेधन, नकली नोट और आतंकवाद पर अंकुश लगेगा। हालाँकि नोटबंदी के चलते आम आदमी को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। केंद्र सरकार अपने इस फैसले से नकद लेन-देन को भी हतोत्साहित करने की कोशिश कर रही है। कई देशों में विमुद्रीकरण बेहद आम प्रक्रिया मानी जाती है।

   i. विमुद्रीकरण क्या है? स्पष्ट कीजिए।
   ii. विमुद्रीकरण की घोषणा के उद्देश्य को लिखिए।
   iii. प्रधानमंत्री जी ने 8 नवंबर, 2016 को क्या घोषणा की तथा उसका समर्थन किसने किया?
   iv. “कई देशों में विमुद्रीकरण बेहद आम प्रक्रिया मानी जाती" - वाक्य का प्रकार बताइए।
   v. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

   किसी भी जीव के शरीर और मानस के सबसे ऊपर मस्तिष्क है। इस मस्तिष्क का स्वभाव कैसे तय होता है? बुद्धि में होने वाले विचार से। इसका मतलब यह है कि किसी भी व्यक्ति के वंशानुगत स्वभाव को उसकी बुद्धि, उसका विवेक बदल सकता है। इसका मतलब यह है कि हमारे बर्ताव, हमारे कर्म पर हमारा वश है, चाहे दुनिया भर पर न भी हो। हम अपने स्वभाव को बदल सकते हैं, अपनी बुद्धि में बारीक बदलाव लाकर। इसके लिए हमें मस्तिष्क की रूप-रेखा पर एक नज़र दौड़ानी होगी। हमारे मस्तिष्क के दो विभिन्न अंश हैं; चेतन और * अवचेतन। दोनों के सीखने के तरीके भी अलग-अलग प्रयोजनों के लिए। ज़िम्मेदार हैं और दोनों के सीखने के तरीके भी अलग-अलग हैं। मस्तिष्क का चेतन भाग हमें विशिष्ट बनाता है, वही हमारी विशिष्टता है। इसकी वजह से एक व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से अलग होता है। हमारा कुछ अलग-सा स्वभावे, हमारी कुछ अनोखी सृजनात्मक शक्तिये सब मस्तिष्क के इसी हिस्से से संचालित होती हैं, तय होती हैं।

   हर व्यक्ति की चेतन रचनात्मकता ही उसकी मनोकामना, उसकी इच्छा और महत्त्वाकांक्षा तय करती है। इसके विपरीत मस्तिष्क का अवचेतन हिस्सा एक ताकतवर प्रतिश्रुति यंत्र जैसा ही है। यह अब तक के रिकॉर्ड किए हुए अनुभव दोहराता

रहता है। इसमें रचनात्मकता नहीं होती। यह स्वचालित क्रियाओं और उस सहज स्वभाव को नियंत्रित करता है, जो दुहरा-दुहरा कर हमारी आदत का एक हिस्सा बन चुका है। यह ज़रूरी नहीं है कि अवचेतन दिमाग की आदतें और प्रतिक्रियाएँ हमारी मनोकामनाओं या हमारी पहचान पर आधारित हों। दिमाग का यह हिस्सा । अपने जन्म के थोड़े पहले, माँ के पेट में ही सीखना शुरू कर देता है। जैसे जीवन के चक्रव्यूह' में उतरने से पहले ही अभिमन्यु' पाठ सीखने लगा हो। यहाँ से लेकर सात साल की उम्र तक वे सारे कर्म । और आचरण हमारे दिमाग का यह अवचेतन हिस्सा सीख लेता है, जो भावी जीवन के लिए मल आधार हैं।

i. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हम अपने स्वभाव को कैसे परिवर्तित कर सकते हैं?
ii. अभिमन्यु के उल्लेख के माध्यम से लेखक क्या प्रतिपादित करना चाहता है?
iii. हमारे मस्तिष्क के कौन-कौन से दो अंग हैं तथा उनकी क्या-क्या विशेषताएँ हैं?
iv. प्रस्तुत गद्यांश का तर्क सहित शीर्षक बताइए।
v. प्रस्तुत गद्यांश में प्रयुक्त वह शब्द लिखिए जिसका पर्याय ‘उदर' है।

CBSE Test Paper 04

अपठित गद्यांश

Answer

1. i. जब सरकार पुरानी मुद्रा को कानूनी तौर पर बंद कर देती है और नई मुद्रा लाने की घोषणा करती है तो इसे विमुद्रीकरण कहते हैं। इसके बाद पुराने नोटों एवं मुद्रा की कोई कीमत नहीं रह जाती है। हालाँकि सर्कार द्वारा पुराने नोटों को बैंकों से बदलने के लिये लोगों को समय दिया जाता है ताकि वे अमान्य हो चुके अपने पुराने नोटों कों बदल सके |
   ii. विमुद्रीकरण के द्वारा सरकार कालाधन, भ्रष्टाचार, नकली नोट और आतंकवादी गतिविधियों पर अकुंश लगाने के लिए विमुद्रीकरण का फैसला लेती है। केंद्र की मोदी सरकार ने भी नोटबंदी से कालेधन, नकली नोट और आतंकवाद पर अकुंश लगाने के उद्देश्य से विमुद्रीकरण की घोषणा की।अवैध गतिविधियों में संलग्न लोग नोटों को अपने पास ही रखते हैं | ऐसे लोगों को चोट पहुचाने के लिए ही सरकार ने विमुद्रीकरण की घोषणा की |
   iii. 8 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में 1000 और 500 रुपए के नोट बंद करने की घोषणा की। आरबीआई गवर्नर उर्जित पटेल ने भी सरकार की इस घोषणा का समर्थन किया।
   iv. सरल वाक्य।
   v. प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक 'विमुद्रीकरण' होगा।
2. i. हम अपने स्वभाव को अपनी बुद्धि में थोड़ा-सा बदलाव लाकर परिवर्तित कर सकते हैं। किसी भी जीव के शरीर और मानस के सबसे ऊपर मस्तिष्क है। इस मस्तिष्क का स्वभाव बुद्धि में होने वाले विचार से तय होता है। किसी भी व्यक्ति के वंशानुगत स्वभाव को उसकी बुद्धि, उसका विवेक बदल सकता है।
   ii. अभिमन्यू के उल्लेख के माध्यम से लेखक ने मनुष्य के अवचेतन दिमाग की आदतों एवं प्रतिक्रियाओं के विषय में बताया है, जिस प्रकार अभिमन्यु जन्म से पूर्व ही माँ के गर्भ से ही कर्म आदि सीख कर आया था, उसी प्रकार मनुष्य जन्म पूर्व से लेकर सात वर्ष की आयु तक सारे कर्म और आचरण सीख लेते हैं और यही कर्म और आचरण भविष्य के मूल आधार होते है |
   iii. हमारे मस्तिष्क के दो विभिन्न अंग चेतन और अवचते हैं। मस्तिष्क का चेतन भाग हमें विशिष्ट बनाता है। इसके कारण ही एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से भिन्न होता है। चेतन मन हमारी सृजनात्मकता आदि का आधार होती है। मस्तिष्क का अवचेतन भाग एक प्रबल प्रतिश्रुति यंत्र जैसा है। यह उस स्वचालित क्रियाओं और उस सहज स्वभाव को नियंत्रित करता है, जो हमारी आदत का हिस्सा बन चुका है।
   iv. प्रस्तुत गद्यांश में मस्तिष्क के चेतन एवं अवचेतन भाग का वर्णन करते हुए विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालने का प्रयास किया है। इस प्रकार इस गद्यांश का उचित शीर्षक 'मस्तिष्क के अंश' होना चाहिए।
   v. प्रस्तुत गद्यांश में ‘उदर' के पर्याय रूप में 'पेट' शब्द का प्रयोग किया गया है।